

## राघवेन्द्र अष्टोत्तर शत नामावलि

- ॐ स्ववाग्दे व तासरि द्ब क्तविमली कर्त्रे नमः  
 ॐ राघवेन्द्राय नमः  
 ॐ सकल प्रदात्रे नमः  
 ॐ भ क्तौघ सम्भे दन द्रुष्टि वज्राय नमः  
 ॐ क्षमा सुरेन्द्राय नमः  
 ॐ हरि पादकञ्ज निषेव णालब्धि समस्ते सम्पदे नमः  
 ॐ देव स्वभावाय नमः  
 ॐ दि विजदुमाय नमः  
 ॐ इष्ट प्रदात्रे नमः  
 ॐ भव्य स्वरूपाय नमः ॥ 10 ॥  
 ॐ भ व दुःखतूल सङ्घाग्निचर्याय नमः  
 ॐ सुख धैर्य शालिने नमः  
 ॐ समस्त दुष्टग्र हनिग्र हेशाय नमः  
 ॐ दुरत्य यो पप्ल सिन्धु सेतवे नमः  
 ॐ निरस्त दोषाय नमः  
 ॐ निर वध्यदेहाय नमः  
 ॐ प्रत्यर्थ मूकत्वविधान भाषाय नमः  
 ॐ विद्वत्सरि ज्ञेय महा विशेषाय नमः  
 ॐ वा ग्वैखरी निर्जित भव्य शै षाय नमः  
 ॐ सन्तान सम्पत्सरिशुद्धभक्ती विज्ञान नमः ॥20 ॥  
 ॐ वाग्दे हसुपाटवादि धात्रे नमः  
 ॐ शरिरोत्थ समस्त दोष हन्त्रे नमः  
 ॐ श्री गुरु राघवेन्द्राय नमः  
 ॐ तिरस्कृत सुनदी जलपादो दक महिमावते नमः  
 ॐ दुस्ता पत्रय नाशनाय नमः  
 ॐ महावन्द्यासुपुत्र दायकाय नमः  
 ॐ व्यङ्गय स्वङ्ग समृद्ध दाय नमः  
 ॐ ग्रहपापा पहये नमः  
 ॐ दुरितकानदाव भुत स्वभक्ति दर्श नाय नमः ॥ 30 ॥  
 ॐ सर्वतन्त्र स्वतन्त्रय नमः  
 ॐ श्रीमध्वमतवर्दनाय नमः  
 ॐ विजयेन्द्र करा ब्जोत्त सुदोन्द्रवर पूत्रकाय नमः  
 ॐ यतिराजये नमः  
 ॐ गुरुवे नमः

ॐ भया पहाय नमः  
 ॐ ज्ञान भक्ती सुपुत्रायुर्यशः  
 श्री पुण्यवर्द नाय नमः  
 ॐ प्रतिवादि भयस्वन्त भेद चिह्नार्थ राय नमः  
 ॐ सर्व विद्याप्रवीणाय नमः  
 ॐ अपरोक्षि कृत श्रीशाय नमः ॥ 40 ॥  
 ॐ अपेक्षित प्रदात्रे नमः  
 ॐ दायादाक्षिण्य वैराग्य वाक्पाटव मुखाङ्कि ताय नमः  
 ॐ शापानुग्रहशक्तय नमः  
 ॐ अज्ञान विस्मृति ब्रान्ति नमः  
 ॐ संशयापस्मृति क्ष यदोष नाशकाय नमः  
 ॐ अष्टाक्षर जपेस्टार्द प्रदात्रे नमः  
 ॐ अध्यात्मय समुद्भवकायज दोष हन्त्रे नमः  
 ॐ सर्व पुण्यार्थ प्रदात्रे नमः  
 ॐ कालत्र यप्रार्थ नाकर्त्यहिकामुष्मक सर्वस्ता प्रदात्रे नमः  
 ॐ अगम्य महिम्नेनमः ॥ 50 ॥  
 ॐ महयशशे नमः  
 ॐ मद्वमत दुग्दाब्दि चन्द्राय नमः  
 ॐ अनघाय नमः  
 ॐ यथाशक्ति प्रदक्षिण कृत सर्वयात्र फलदात्रे नमः  
 ॐ शिरोधारण सर्वतीर्थ स्नान फतदातृ समव बन्दावन गत जालय नमः  
 ॐ नमः करण सर्वभिस्ता धार्ते नमः  
 ॐ सङ्कीर्तन वेदाद्यर्द ज्ञान दात्रे नमः  
 ॐ संसार मग्नजनोद्धार कर्त्रे नमः  
 ॐ कुस्टदि रोग निवर्त काय नमः  
 ॐ अन्ध दिव्य दृष्टि धात्रे नमः ॥ 60 ॥  
 ॐ ऐड मूकवाक्सतुत्व प्रदात्रे नमः  
 ॐ पूर्णा युःप्रदात्रे नमः  
 ॐ पूर्ण सम्प त्स्र दात्रे नमः  
 ॐ कुक्षि गत सर्वदोषम्नानमः  
 ॐ पङ्गु खञ्ज समीचानाव यव नमः  
 ॐ भुत प्रेत पिशाचादि पिडाघ्नेनमः  
 ॐ दीप संयोजनज्ञान पुत्रा दात्रे नमः  
 ॐ भव्य ज्ञान भक्त्यदि वर्दनाय नमः  
 ॐ सर्वाभिष्ट प्रदाय नमः  
 ॐ राजचोर महा व्या घ्न सर्पन क्रादि पिडनघ्नेनमः ॥ 70 ॥  
 ॐ स्वस्तोत्र परनेस्टार्थ समृद्ध दय नमः  
 ॐ उद्य त्प्रद्योन धर्मकूर्मासन स्दाय नमः

ॐ खद्योत खद्योत तन द्योत प्रतापाय नमः  
 ॐ श्रीराममानसाय नमः  
 ॐ दृढ काषायव सनाय नमः  
 ॐ तुलसिहार वक्ष नमः  
 ॐ दोर्दण्ड विलसदण्ड कमण्डलु विराजिताय नमः  
 ॐ अभय ज्ञान समुद्राक्ष मालाशीलक राम्बुजाय नमः  
 ॐ योगेन्द्र वन्द्य पादाब्जाय नमः  
 ॐ पापाद्रि पाटन वज्राय नमः ॥ 80 ॥  
 ॐ क्षमा सुर गणाधी शाय नमः  
 ॐ हरि सेवलब्धि सर्व सम्पदे नमः  
 ॐ तत्त्व प्रदर्शकाय नमः  
 ॐ भव्यकृते नमः  
 ॐ बहुवादि विजयिने नमः  
 ॐ पुण्यवर्दन पादाब्जाभि षेक जल सञ्चायाय नमः  
 ॐ द्युनदी तुल्यसद्गुणाय नमः  
 ॐ भक्ताघविद्वंसकर निजमूरि प्रदर्शकाय नमः ॥ 90 ॥  
 ॐ जगद्गुर वे नमः कृपानिध ये नमः  
 ॐ सर्वशास्त्र विशारदाय नमः  
 ॐ निखिलेन्द्रि यदोष घ्ने नमः  
 ॐ अष्टाक्षर मनूदि ताय नमः  
 ॐ सर्वसौख्यकृते नमः  
 ॐ मृत पोत प्राणादात्रे नमः  
 ॐ वेदि स्थपुरुषोज्जी विने नमः  
 ॐ वह्निस्त मालिकोद् त्रै नमः  
 ॐ समग्र टीक व्याख्यात्रे नमः  
 ॐ भाट्ट सङ्ग्रहकृते नमः ॥ 100 ॥  
 ॐ सुधापर मिलोद् त्रै नमः  
 ॐ अपस्मारा पह त्रै नमः  
 ॐ उपनिष त्खण्डार्थ कृते नमः  
 ॐ ऋ ग्व्यख्यान कृदाचार्याय नमः  
 ॐ मन्त्रालय निवसिने नमः  
 ॐ न्याय मुक्ता वलीक त्रै नमः  
 ॐ चन्द्रि काव्याख्याक त्रै नमः  
 ॐ सुन्तन्त्र दीपिका त्रै नमः  
 ॐ गीतार्द सङ्ग्रहकृते नमः ॥ 108 ॥

Web Url: <http://www.vignanam.org/veda/raghavendra-ashtottara-sata-namavali-devanagari.html>